एम्स के डॉक्टरों ने मरीज को लगाया नया दिल

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

एम्स के डॉक्टरों ने एक मरीज के सीने में बीमार दिल की जगह नया दिल लगा दिया। इसके लिए पांच जनवरी को ऑपरेशन हुआ। मरीज की हालत अब ठीक है। मरीज को कार्डियोमायो इन्फेक्शन था। इस मरीज को उत्तराखंड निवासी 37 वर्षीय चंद्रकांता रावत का दिल लगाया गया है।

महिला की ब्रेन हैमरेज की वजह से मौत हो गई थी। महिला ने अंगदान के लिए पंजीकरण नहीं करा रखा था लेकिन उसके पति बलबीर के प्रयास से उसका दिल, किडनी और लिवर अन्य मरीज में प्रत्यारोपित किए गए।

एम्स के आरबो सेंटर की प्रमुख डॉ. आरती विज ने बताया कि महिला के परिजनों की सहमति के बाद उसके अंगों को प्रत्यारोपित करने का निर्णय लिया गया। किडनी और लिवर की अपेक्षा दिल का प्रत्यारोपण अधिक चुनौती पूर्ण था। दूसरी ओर महिला के मृत शरीर से हड्डी और कार्निया को संरक्षित कर लिया गया है, जिसे बाद में इस्तेमाल किया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले एम्स ने वर्ष 2010 में दिल के प्रत्यारोपण का प्रयास किया था लेकिन 2004 में प्रीति उल्लाह के दिल के प्रत्यारोपण को ही सफल माना गया। बाद में प्रीति को एम्स के आरबो (आर्गन रिट्राइवल बैंकिंग आर्गेनाइजेशन) के अंगदान अभियान का ब्रांड एम्बेसडर बना दिया गया।

कब-कब हुआ प्रत्यारोपण

- वर्ष 2004 में एम्स में प्रीति उल्लाह नाम की महिला में 14 वर्षीय बच्चे का दिल प्रत्यारोपित किया गया था। प्रीति को दिल की मांसपेशियों के संक्रमण की बीमारी थी। इससे पहले एम्स ने गोपाल सिंह, महाबीर सिंह, देवेंद्र कुमार और देवी राम सहित 27 मरीजों का दिल बदला।
- पूर्व निदेशक के कार्यकाल में 1994 में एम्स ने देश का पहला दिल प्रत्यारोपित किया था।
- वर्ष 2011 में सरगंगा राम अस्पताल में दिल के प्रत्यारोपण का सफल ऑपरेशन किया, जिसमें 44 वर्षीय महिला सुनीता के बीमार दिल की जगह नया दिल लगा दिया गया।
- वर्ष 2005 में आर्मी रिसर्च एंड रेफरल सेंटर ने भी दिल का सफल प्रत्यारोपण किया।

क्यों पड़ती है जरूरत

दिल की धमनियों में संकुचन, वाल्व खराब होने या फिर एंराइमा (धड़कन के अनियंत्रित होने) आदि का इलाज एंजियोप्लास्टी, वाल्व रिप्लेसमेंट या पेसमेकर से किया जाता है। गंभीर मायोकार्डियल संक्रमण होने पर दिल को बदलना ही एक मात्र विकल्प रहता है। इसके लिए प्रत्यारोपण की टीम पहले टेबल सर्जरी करती है, सूक्ष्म धमनियों को जोड़ा जाता है जबकि सर्जरी के बाद मरीज को इम्यूनोसेपरेशन दवाओं पर रखा जाता है।

नए एम्स से उम्मीद

पटना, भुवनेश्वर, ऋषिकेश, रांची, जोधपुर और भोपाल एम्स में फिलहाल शैक्षणिक सत्र शुरू कर दिया गया है। विशेषज्ञों का मनना है कि इनमें पांच से दस साल के बीच इलाज के बेहतर उम्मीद की जा सकती है। यहां 50 सीटों पर प्रवेश के साथ फिलहाल एमबीबीएस पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू हुई है।

8 से दस घंटे का समय लगता है दिल के प्रत्यारोपण में

4 से 5 लाख रुपये का खर्च आता है इसके लिए प्राइवेट अस्पताल और एम्स के प्राइवेट वार्ड में।

एम्स के जरनल वार्ड में मुफ्त होता है प्रत्यारोपण। केवल कुछ खर्च मरीज को उठाने पड़ते हैं।

चंद्रकांता ने पांच को दी नई जिंदगी

नई दिल्ली/कोटद्वार शैलेंद्र गोदियाल : कोटद्वार के पदमपुर मोटढाक निवासी चंद्रकांता रावत आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन वह पांच लोगों को नई जिंदगी दे गयी हैं। उनका हृदय, लीवर तथा दोनों किडनी को जरूरतमंद रोगियों को प्रत्यरोपित कर दिया गया है।

एम्स की डॉ. आरती विज ने बताया कि चंद्रकांता का हृदय 14 साल के बच्चे को प्रत्यारोपित कर दिया गया था। दोनों किडनी गंगाराम अस्पताल तथा लीवर को वसंतकुंज के लीवर एवं बायलियरी विज्ञान संस्थान को भेजा दिया गया था। एम्स ट्रामा सेंटर डॉ. दीप अग्रवाल ने कहा कि पांच लोगों को नई जिंदगी मिल गयी है। कहा जा रहा है किसी महिला के अंगदान करने का यह पहला मामला है।

हलचल

डीएलएफ ने सोमवार को कार रैली का आयोजन किया जिसमें महिला चालकों ने अपनी-अपनी कार के साथ हिस्सा लिया। • जसजीत प्लाहा

डीएलएफ ने आयोजित की कार रैली

नई दिल्ली। बाबा खड़ग सिंह मार्ग स्थित ऑटोमेटेड मल्टीलेवल कार पार्किंग में एक लाख बार कार पार्क की जा चुकी है। इस पार्किंग को शुरू हुए अभी एक साल नहीं हुए और यह रिकॉर्ड बन गया। इसी बात को बताने के लिए डीएलएफ ने सोमवार को कार रैली का आयोजन किया। जिसमें महिला चालकों ने ही अपनी-अपनी कार के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कंचन कपूर अपनी कई विंटेज कारों के साथ शामिल हुई। कंपनी में मल्टीलेवल कार पार्किंग योजना की उपाध्यक्ष बेनू सहगल ने बताया कि पार्किंग को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही नई योजनाएं लाई जाएंगी। जिसमें महिलाओं, बुजुर्गों के लिए कुछ दिन निःशुल्क पार्किंग की सुविधा दी जाएगी।

रुपये जमा कराने के काम आएगा मोबाइल

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

मोबाइल से आप अपने खाते में कैश जमा करने के साथ निकाल भी सकते हैं। वहीं मोबाइल के जरिए एक बैंक के खाते से दूसरे बैंक के खाते में भी पैसा ट्रांसफर किया जा सकता है। भारतीय स्टेट बैंक ने एक निजी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी के साथ मिल कर मोबीकैश ईजी सेवा शुरू की है।

यह एक प्रीपेड मोबाइल वॉलेट सर्विस है। इस सेवा के जरिए आप अपने मोबाइल से सभी प्रकार के बिल भी जमा कर सकेंगे। इस सेवा का लाभ लेने के लिए सबसे पहले अपना मोबाइल नम्बर अपनी बैंक शाखा में रजिस्टर कराना होगा। इसके लिए एक फार्म भर कर जमा करना होगा। साथ ही निजी सेवा प्रदाना कंपनी आक्सीजन के स्टोर पर जा कर एसबीएमसी ईजी में रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन के पश्चात आप अपने फोन में एक सॉफ्टवेयर डॉउनलोड कर सकेंगे। इस सॉफ्टवेयर के जरिए ही सभी लेन-देन होंगे। आप अपने मोबाइल से महीने में सिर्फ बीस हजार रुपये का ही ट्रांजेक्शन कर सकेंगे। और एक बार में सिर्फ पांच हजार रुपये ही ट्रांसफर किए जा सकते हैं। मोबाइल से आप महीने में अधिकतम तीन ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। हालांकि आपको फंड ट्रांसफर करने की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध हो सकेगी।

ऐसे जाएगी रकम

- सबसे पहले ग्राहक को अपने फोन पर मोबाइल वॉलेट सेवा शुरू करनी होगी
- इसके पश्चात बैंकिंग पर क्लिक करना होगा
- फंड ट्रांसफर चुनना होगा
- जिस खाते में पैसा जाना है उसका नंबर डालना होगा
- इसके पश्चात जिस व्यक्ति के खाते में पैसा जाना है उसका मोबाइल नंबर डालना होगा
- एंटर बटन दबाने के बाद एमपीआईएन नंबर डालना होगा
- इसके साथ ही पैसा ट्रांसफर हो जाएगा

एनडीएमसी सर्विस लेवल एग्रीमेंट का विस्तार और शिकायतें सुनेगा डीईआरसी

बिजली दफ्तर के चक्कर काटने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली | पंकज रोहिला

बिजली चोरी या मीटर से छेड़छाड़ जैसे मामलों की सुनवाई अब बिजली कंपनियां नहीं कर सकेंगी। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग ने उपभोक्ता शिकायत निपटारा फोरम को अपने अधिकार क्षेत्र लाने का फैसला किया है। यानी पीड़ित उपभोक्ताओं को न्याय बिजली कंपनियां नहीं, बल्कि आयोग देगा।

दरअसल, किसी उपभोक्ता के खिलाफ बिजली चोरी या मीटर से छेड़छाड़ के मामलों की सुनवाई बिजली कंपनियां ही करती हैं। ऐसे में कंपनियों की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे थे। कहा जा रहा था कि जो कंपनी मामले दर्ज कर रही है, वह कैसे उपभोक्ताओं को निष्पक्ष न्याय दे सकती है।

यह बात अब दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग को भी समझ आ रही है। इसी के चलते उपभोक्ता शिकायत निपटारा फोरम (सीजीआरएफ) को आयोग के अधिकार क्षेत्र में लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वर्तमान में दिल्ली में हर बिजली कंपनी द्वारा एक सीजीआरएफ केंद्र चलाया जा रहा है।

क्या होती है प्रक्रिया

अभी सीजीआरएफ पर तैनात किए जाने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति का अधिकार बिजली कंपनियों के पास है। नई व्यवस्था में यह अधिकार बिजली कंपनियों से छीन लिया जाएगा। नई व्यवस्था लागू होने पर केंद्र पर तैनात होने वाले कर्मचारी सीधे आयोग के तहत काम करेंगे। इससे आम जनता की निष्पक्ष सुनवाई को सुनिश्चित किया जाएगा।

एक साल में कितनी शिकायत

कंपनी	कुल शिकायत
टीपीडीडीएल	1126
बीवाईपीएल	309
बीआरपीएल	500

कंपनियों की सफाई

इन केंद्रों पर प्रतिदिन 5 से 10 शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं। हालांकि कंपनियां का कहना है कि इन केंद्रों पर निष्पक्ष तरीके से शिकायतों का निपटारा होता है।

बंधाई उम्मीद

सीजीआरएफ सीधे दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग के अधिकार क्षेत्र में कार्य करेंगे। यह प्रक्रिया एक माह में पूर्ण कर ली जाएगी।
-पी.डी. सुधाकर, अध्यक्ष, डीईआरसी

जताई आशंका

डीईआरसी ने कभी जनता के हित में फैसला नहीं लिया है। हमेशा बिजली कंपनियों को ही फायदा पहुंचाया है। सीजीआरएफ का कार्यभार अपने अधिकार क्षेत्र में लेना नाममात्र का ही फायदा पहुंचाएगा।
-सौरव गांधी, सदस्य, ऊर्जा संगठन

- उपभोक्ता शिकायत निपटारा फोरम को अपने अधीन लाएगा डीईआरसी

तय समय में चार सेवाएं

नई दिल्ली (प्र.सं)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बिजली संबंधित कार्यों के लिए दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने होंगे। बिजली कनेक्शन लगाने की सेवा के साथ अब चार अन्य सेवाओं को परिषद ने सर्विस लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) के तहत शामिल कर लिया है। अब बिजली मीटर से संबंधित कई कार्य जैसे लोड आदि बढ़ाना-घटाना, कनेक्शन कटवाना यह सह एक तय समय-सीमा में हो जाएगा। इस सुविधा की जानकारी सोमवार को परिषद अध्यक्ष अर्चना अरोड़ा ने आगामी वित्तीय वर्ष का बजट पेश करने के दौरान दी।

काम की अधिकतम अवधि

बिजली का नया कनेक्शन	35 दिन
बिजली कनेक्शन हटवाना	35 दिन
मीटर लोड विभाजन	35 दिन
मीटर लोड बढ़ोतरी	35 दिन
मीटर लोड में कमी	35 दिन

इनका भी तय है वक्त

जन्म प्रमाण पत्र 7 कार्य दिवस
मत्यु प्रमाण पत्र 7 कार्य दिवस
स्वास्थ्य प्रमाण पत्र 60 दिन

कारण बताओ नोटिस वापस लेने का आदेश

नई दिल्ली (व.सं)। जनता पार्टी के प्रमुख सुब्रमण्यम स्वामी एवं उनके परिवार को राहत देते हुए हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व विभाग को उनके खिलाफ जारी सभी कारण बताओ नोटिस वापस लेने को कहा है। विभाग ने पुरातत्व नियमों की अनदेखी कर अपने घर में अवैध निर्माण करने का आरोप में स्वामी व उनके परिवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। विभाग ने कहा था कि क्यों न उनके अवास में अवैध निर्माण गिरा दिए जाएं।

सांझा परिवार ने मनाई लोहड़ी और संक्रांति

नई दिल्ली (व.सं)। रोहिणी सेक्टर-8 स्थित सांझा परिवार की तरफ से लोहड़ी और संक्रांति का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। संस्था के महामंत्री राजेश महाजन के नेतृत्व में संस्था सदस्यों ने शपथ ली कि समाज की बुराई की खिलाफ संघर्ष करने के लिए वह जरूर आएंगे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। कार्यक्रम संयोजक रमेश जग्गी, संस्था के उपाध्यक्ष अंजु जैन, संगठन महामंत्री हरबंस लाल सोनी, डॉ. अभिलाषा शर्मा के साथ ओपी मल्होत्रा, ज्योति शर्मा, परमजीत सिंह उपस्थित रहे।

बिहू और कोली नृत्य के साथ महोत्सव

नई दिल्ली (प्र.सं)। सुनयना संस्था के तत्वावधान में 12 जनवरी से चल रहा तीन दिवसीय भारतीय शास्त्रीय नृत्य महोत्सव सोमवार को संपन्न हो गया। इस दौरान बिहू, कोली, जंगली, छऊ, कथक कली तथा भरतनाट्यम नृत्य को देखने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचे और कलाकारों का करतल ध्वनि से स्वागत भी किया। महोत्सव में भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा कई विदेशी कलाकारों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंतिम दिन पद्मश्री भारती शिवाजी को गुरु सम्मान से भी नवाजा गया। संस्था की निदेशिका श्रीमति कनक सुधाकर ने बताया कि तीन दिवसीय नृत्य महोत्सव में नृत्य की विभिन्न मुद्राओं और कई प्रकार के नृत्य ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध किया। इस अनूठे नृत्य महोत्सव में शास्त्रीय नृत्य पर सेमीनार में युवा तथा मंझे हुए कलाकारों ने भी जमकर अपने विचार रखे।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सेक्टर ओमेगा-1, ग्रेटर नौएडा सिटी- 201308, गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0), दूरभाष न.: 0120-2395153, फैक्स नं. : 0120-2395150

सार्वजनिक सूचना

प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के अन्तर्गत भू-स्वामी/भू-स्वामियों द्वारा स्वेच्छा से अपनी भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण को आपसी सहमति के आधार पर विक्रय करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये हैं, जिनमें अधोवर्णित विवरण के अनुसार भूमि काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित हैः-

क्रम सं0	ग्राम का नाम	काश्तकार का नाम व पता	खाता संख्या	गाटा संख्या	क्षेत्रफल
1.	भाईपुर ब्रहमनान	चंद्रमणि पुत्र होमा नि0 ग्राम	169	490 132	1.0320 1.8840 का बकदर भाग
2.	भाईपुर ब्रहमनान	हरीप्रेम पुत्र होमा नि0 ग्राम	169	490 132	1.0320 1.8840 का बकदर भाग
3.	भाईपुर ब्रहमनान	रमेशचंद्र पुत्र होमा नि0 ग्राम	169	490 132	1.0320 1.8840 का बकदर भाग
4.	भाईपुर ब्रहमनान	जयदेव पुत्र किशनचंद्र नि0 ग्राम	230	478	0.7020 का बकदर भाग
5.	भाईपुर ब्रहमनान	जयप्रकाश पुत्र किशनचंद्र नि0 ग्राम	230	478	0.7020 का बकदर भाग
6.	भाईपुर ब्रहमनान	सियाराम पुत्र रामसरन नि0 ग्राम	337	569	1.2610 का बकदर भाग
7.	भाईपुर ब्रहमनान	विजेन्द्र पुत्र लखमी नि0 ग्राम	263	597	0.4560 का बकदर भाग
8.	भाईपुर ब्रहमनान	बाबू पुत्र रमजी नि0 ग्राम	169	490 132	1.0320 1.8840 का बकदर भाग
9.	भाईपुर ब्रहमनान	हरीओम पुत्र हरवंश नि0 ग्राम	231	481	0.3570 का बकदर भाग
10.	भाईपुर ब्रहमनान	राजमनी पुत्र रामफल नि0 ग्राम	251	507	0.4130 का बकदर भाग
11.	भाईपुर ब्रहमनान	लेखराज पुत्र रामफल नि0 ग्राम	251	507	0.4130 का बकदर भाग
12.	भाईपुर ब्रहमनान	उदयचंद पुत्र रामफल व किशनदेई पत्नी रामफल नि0 ग्राम	251	507	0.4130 का बकदर भाग
13.	भाईपुर ब्रहमनान	दानवीर पुत्र रामफल	251	507	0.4130 का बकदर भाग
14.	भाईपुर ब्रहमनान	कन्छीलाल, बलभद्र पुत्रगण मुरारी लाल नि० ग्राम	36	505	0.6200
15.	भाईपुर ब्रहमनान	रोहताश पुत्र गंगाराम नि0 ग्राम	56	575	0.6480 का बकदर भाग
16.	भाईपुर ब्रहमनान	निरंजन, राकेश पुत्रगण धनीराम व दयावती पत्नी धनीराम नि० ग्राम	169	490	1.0320 का बकदर भाग
17.	भाईपुर ब्रहमनान	उज्जवल प्रसाद पुत्र छिददालाल नि0 ग्राम	172	493	0.5970 का बकदर भाग
18.	भाईपुर ब्रहमनान	वेदप्रकाश पुत्र छिददालाल नि0 ग्राम	172	493	0.5970 का बकदर भाग
19.	भाईपुर ब्रहमनान	तरूण, वरूण पुत्रगण ब्रहमप्रकाश व सुनीता देवी पत्नी ब्रहमप्रकाश नि0 ग्राम	172	493	0.5970 का बकदर भाग
20.	भाईपुर ब्रहमनान	गजेन्द्र पुत्र प्यारेलाल नि0 ग्राम	56	575	0.6480 का बकदर भाग
21.	भाईपुर ब्रहमनान	जयभगवान पुत्र किशनचंद नि0 ग्राम	56	575	0.6480 का बकदर भाग
22.	भाईपुर ब्रहमनान	टेकचंद पुत्र जमुनादास नि0 ग्राम	93	631	0.3770

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने से पूर्व सार्वजनिक हित में सूचना का प्रकाशन इस आशय से किया जा रहा है कि यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त भूमि के बावत कोई आपत्ति प्रस्तुत करनी है तो वह इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक सप्ताह के अन्दर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के कार्यालय में अपनी आपत्ति (पुष्ट साक्ष्यों/अभिलेखों सहित) लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकता है। आपसी सहमति के आधार पर विक्रय-पत्र निष्पादित कराने हेतु भू-स्वामी/खातेदारों द्वारा भूमि से सम्बन्धित निम्न अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे :-

1. सम्बन्धित भूमि की वर्तमान खसरा व खतौनी की तहसीलदार द्वारा अभिप्रमाणित नकल।
2. सम्बन्धित सब रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा जारी सर्च सर्टिफिकेट (बारह-साला प्रमाण-पत्र)।
3. जोत चकबंदी आकार पत्र 41 व 45 की प्रमाणित प्रति।
4. सम्बन्धित तहसीलदार द्वारा निर्गत हिस्सा प्रमाण-पत्र।
5. सम्बन्धित भूमि के सीलिंग, भूदान, ग्रामसभा, गवर्मेंट ग्रांट एक्ट, निष्क्रांत/शत्रु सम्पति, राज्य सरकार भूमि से सम्बन्धित न होने विषयक तहसीलदार द्वारा जारी प्रमाण-पत्र।
6. तहसीलदार द्वारा जारी अदेयता प्रमाण-पत्र।
7. तहसीलदार द्वारा भू-स्वामी/स्वामियों की पहचान संबंधी प्रमाण पत्र।
8. भूमि बन्धक न होने विषयक तहसीलदार द्वारा प्रमाण-पत्र।
9. क्रय की जा रही भूमि के समर्थन में खातेदार/खातेदारों का शपथ-पत्र।
10. सम्बन्धित भू-स्वामी की पहचान संबंधी फोटो युक्त प्रमाण-पत्र की प्रति (यदि अपेक्षा की जाये)।
11. तहसीलदार द्वारा जारी अन्य वांछित प्रमाण-पत्र (यदि अपेक्षा की जाये)।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी

सीपी की सांसत, हर डेडलाइन गड्ढे में

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

विभिन्न स्तरों पर हुई देरी के कारण कनॉटप्लेस नवीनीकरण परियोजना पूरा होने का नाम नहीं ले रही है। ढाई साल पहले सीपी का काम पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन लगभग आधा दर्जन बार डेडलाइन तय करने के बाद बावजूद आज तक कार्य अधूरे पड़े हैं। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने नई डेडलाइन 31 मार्च तय की है, लेकिन इसी बार भी एनडीएमसी चूकेगी।

एनडीएमसी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड से यह कार्य करवा रहा है। परिषद की अध्यक्ष अर्चना अरोड़ा ने सोमवार को कार्य की प्रगति पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सीपी के 12 ब्लॉकों में 10 ब्लॉकों के सामने का हिस्से को संवारने का कार्य पूरा हो गया है, दो का कार्य पूरा होने वाला है।

इनर सर्किल के रास्तों को समतल करने और मिडिल सर्किल में रेडीमिक्स कंकरीट बिछाने का काम पूरा हो गया है। सीपी के 7 रेडियल रोड यातायात के लिए खोल दिए गए हैं। योजना के तहत पांच सब वे पूरी तरह तैयार कर दिए गए हैं। जनपथ में अंडग्राउंड सब वे और केजी मार्ग सब वे में एस्केलेटर्स लगाने का काम बाकी है जो मार्च तक पूरा हो जाएगा।

स्टेट्समैन हाउस एन ब्लॉक तथा गोपालदास बिल्डिंग एम ब्लॉक पर एस्केलेटर सुविधा के साथ नए सबवे बनाने का काम शुरू कर दिया गया है।

परिषद अध्यक्ष ने बताया कि मिडिल सर्किल में मल्टीयूटीलिटी डक्ट का सिविल वर्क पूरा हो गया है। इसमें विभिन्न सेवाओं से संबंधित इंतजाम किए जा रहे हैं। बिजली, दूरसंचार, अग्निशमन, जलापूर्ति, सिंचाई आदि सुविधाओं से संबंधित इंतजाम सुरंग में किए जा रहे हैं।

परियोजना के पूरे होने की पहली डेडलाइन जुलाई, 2010 थी। लेकिन इसके बाद कभी तीन महीने तो कभी छह महीने के बाद की तारीख डेडलाइन के रूप में तय की गई। एक-एक के बाद एक डेडलाइन तय करते हुए कनॉट प्लेस का काम आज ढाई साल बाद भी पूरा होने की स्थिति में नहीं है। दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने घोषणा की थी कि 31 दिसंबर, 2012 तक सीपी में निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएंगे।

कनॉट प्लेस में जगह-जगह गड्ढे और निर्माण सामग्री फैली होने के कारण दो साल से भी ज्यादा वक्त से ग्राहक यहां आने से कतराते हैं और व्यापारी परेशान हैं। • एम झाझो

नहीं बढ़ेगा प्रॉपर्टी टैक्स

नई दिल्ली। बजट पेश करते हुए परिषद अध्यक्ष अरोड़ा ने साफ कर दिया कि प्रॉपर्टी टैक्स में किसी तरह का इजाफा नहीं किया जाएगा। उन्होंने वर्ष 2013-14 में 2356.91 करोड़ रुपये राजस्व तथा 2021.57 करोड़ के राजस्व व्यय का बजट अनुमान पेश किया।

खान मार्केट संवरेगा बनेगी पार्किंग

परिषद क्षेत्र में सरोजिनी नगर और बाबा खड़ग सिंह मार्ग की ऑटोमेटेड मल्टीलेवल कार पार्किंग तैयार कराने के बाद अब खान मार्केट में भी इसी तरह की पार्किंग बनाने की तैयारी है। इसके लिए भारत सरकार से जगह मांगी जा रही है। इसके अलावा केजी मार्ग में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग का काम शुरू करवाने के लिए परिषद राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण की अनुमति लेने के लिए प्रयास कर रहा है।

संवारे जाएंगे पालिका बाजार

सुविधा मार्केट-नेताजी नगर, सब्जी मार्केट-नेताजी नगर, मिनी मार्केट-लक्ष्मीबाई नगर, कृष्णा मेनन लेन मार्केट, बाबर मार्केट- लोधी कॉलोनी, म्युनिसिपल मार्केट-काका नगर, तिलक लेन मार्केट और म्युनिसिपल मार्केट-बाबर रोड को संवारने का कार्य किया जाएगा।

आकर्षक उद्यान बनाया जाएगा

परिषद ने तालकटोरा स्टेडियम में आकर्षक उद्यान बनाने की योजना बनाई जिसके तहत वहां पर पशु-पक्षियों के आकार में पौधों को उगाया जाएगा।

सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे

200 सीसीटीवी कैमरों को 10 नगरपालिका भवनों तथा 118 सीसीटीवी कैमरों को 8 व्यावसायिक एवं कार्यालय परिसरों तथा विद्युत सब-स्टेशन भवनों में लगाया जाएगा।

गर्ल्स हॉस्टल और वृद्धाश्रम

परिषद की तरफ से गर्ल्स हॉस्टल और वृद्धाश्रम बनाने की योजना पर काम चल रहा है। पिछले बजट में यह घोषणा की गई थी, लेकिन जगह नहीं मिलने से निर्माण नहीं हो सका। कालीबाड़ी मार्ग पर ओल्ड एज होम बनाया जाएगा।

दूर की जाएगी पेयजल की कमी

परिषद क्षेत्र में पानी की कमी को पूरा करने के लिए विभिन्न स्थानों पर गहरे नलकूपों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जो जुलाई 2013 तक पूर्ण हो जाएगा। अरविंदो मार्ग के साथ सफदरजंग फ्लाईओवर से किदवई नगर वाटर बूस्टिंग स्टेशन तक पुरानी एवं क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को नई पाइप लाइन के साथ बदलने तथा नेताजी नगर में पुरानी/जंग लगी पाइप लाइन को बदलने का कार्य पूर्ण हो गया है। तिलक लेन बूस्टिंग स्टेशन पर भूमिगत जलाशय से सिकन्दरा रोड तक तिलक मार्ग की मेन पाइप लाइनों को बदलने का कार्य मार्च 2013 तक पूरा होने की उम्मीद है।

इन पर विचार चल रहा है

चाणक्यपुरी में बारातघर का निर्माण, मोतीबाग, नेताजी नगर तथा चाणक्यपुरी में जिम, नया मोती बाग में ओल्ड एज होम की योजना पर विचार चल रहा है।

दो गुटों के झगड़े में रॉड से पिटाई और गोली चलाई

नई दिल्ली (व.सं.)। कंझावला इलाके में शराब पीने को लेकर हुए झगड़े के बाद एक गुट ने दूसरे गुट के घर में घुसकर रॉड से हमला किया और गोली चलाई मारपीट की इस घटना में परिवार के तीन लोग घायल हो गए, जबकि एक बुजुर्ग महिला को गोली लग गई। जख्मी हालत में चारों को जयपुर गोल्डेन अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है।

घटना कंझावला इलाके में स्थित कराला गांव की है। यहां मोहित व दिनेश दो लोगों का परिवार रहता है। दिनेश शराब पी रहा था, इस बात को लेकर मोहित से उसकी कहासुनी हुई। देखते ही देखते स्थिति मारपीट तक जा पहुंची। इसके बाद नाराज होकर दिनेश ने कुछ लोगों के साथ मिलकर मोहित, उसके भाई व उसकी मां पर रॉड से हमला किया और गोली चला दी। गोली मोहित की बुजुर्ग दादी को लगी।

हमले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस चारों को अस्पताल में दाखिल कराया और पीड़ितों के बयान के आधार पर इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों के बयान और हमलावरों के बीच हुए झगड़े के बारे में आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

सैन्य अभियंता सेवाएं

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **गैरिसन इंजीनियर (I) एएफ, सैन्य अभियंता सेवाएं, सोहना अलवर रोड, गुड़गांव-122001** निम्नांकित कार्यों हेतु निविदा के निर्गमन के लिए ठेकेदारों के चयनार्थ पात्रता मानदंड पूरा करने वाले सै.अभि.से. के पात्र सूचीबद्ध ठेकेदारों तथा किसी अन्य सरकारी विभाग में कार्यरत ठेकेदारों से आवेदन आमंत्रित करते हैं : -

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रु. में)	समापन अवधि	सै.अभि.से. के गैर-सूचीबद्ध ठेकेदारों हेतु धरोहर राशि (रु.)	किसी अनुसूचित बैंक से मांग जमा रसीद के रूप में निविदा की कीमत बी.जी.बी. स्वीकार्य नहीं (रु.)	आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि	पात्रता मानदंड: सै.अभि.से. के सूचीबद्ध ठेकेदरों हेतु — सूचीबद्धता की श्रेणी	संवर्ग	अन्य ठेकेदारों हेतु	निविदा निर्गमन की तिथि	निविदा प्राप्ति की तिथि
(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)	(ज)	(झ)	(ञ)	(ट)	(ठ)
1.	**एन.आई.टी. एसईआर नं. 133/2012-13** जीई(I) एएफ गुड़गांव के अधीन एएफ स्टे. रजोकरी में एयरमेन अकामोडेशन में सामयिक सेवाएं।	13.50	06 (छह) माह	27,000/-	500/-	28 जन. 2013	'ई'	'ए(i)'	वांछित मूल्य के कार्यों को संतुष्टिपूर्वक पूरा करते हों, वार्षिक कारोबार, कार्यशील पूंजी, स्थिर आस्तियों के संबंध में सै.अभि.से. सूचीबद्धता मानदंड, जमानत समाशोधन पूरा करते हों तथा किसी भी सरकारी विभाग में कोई बकाया नहीं हो।	29 जन. 2013	20 फर. 2013
2.	**एन.आई.टी. एसईआर नं. 134/2012-13** जीई(I) एएफ गुड़गांव के अधीन एएफ स्टे. रजोकरी में बीएसईएस रिसीविंग स्टे से मेन पावर हाउस तक एचटी पिल्का यूजी केबल की विशेष मरम्मत।	14.98	06 (छह) माह	30,000/-	500/-	28 जन. 2013	'ई'	'बी(ii)'	- तदैव -	29 जन. 2013	20 फर. 2013

टिप्पणियां : 1. उपरोक्त ''पात्रता मानदंड'' से एक श्रेणी कम में सूचीबद्ध ठेकेदार भी आवेदन कर सकते हैं। पात्र श्रेणी के ठेकेदारों से अपर्याप्त प्रत्युत्तर प्राप्त होने पर, अनुमोदन अधिकारी ऐसे आवेदनपत्रों पर विचार कर सकते हैं। 2. निविदा के निर्गमन हेतु निविदा की कीमत के रूप में अपेक्षित लागत के डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक के बगैर प्राप्त आवेदनपत्र विचारणीय नहीं होंगे। 3. सै.अभि.से. में असूचीबद्ध ठेकेदारों को कोई वसूली बकाया नहीं के शपथपत्र के साथ उक्त दिए गए अनुसार अपनी पात्रता को साबित करने हेतु जरूरी आलेख्यों को संलग्न करना होगा। 4. निविदा के निर्गमन हेतु आवेदन के निरस्तीकरण पर, आवेदक को निविदा की कीमत वापस कर दी जाएगी। बहरहाल ठेकेदार निविदा के निर्गमन हेतु उनके आवेदन के निरस्तीकरण पर अगले उच्चतर अभियन्ता प्राधिकारी यानी मुख्यालय सीई (एएफ) डब्ल्यू.ए.सी. पालम, दिल्ली छावनी को अपील कर सकते हैं। जिनका निर्णय अंतिम व बाध्यकारी होगा और ठेकेदार निविदा के गैर निर्गमन हेतु किसी प्रतिपूर्ति, चाहे जो भी हो के हकदार नहीं होंगे। 5. उक्त विवरण सै.अभि.से. वेबसाइट **www.mes.gov.in** पर भी उपलब्ध हैं। निविदा आई.ए.एफ.डब्ल्यू-2162 की संपूर्ण सूचना तथा सूचीबद्धता मानदंड सै.अभि.से. के सभी कार्यालयों तथा सै.अभि.से. वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

बीआरटी पर फिर संकट, नोटिस भेजा

नई दिल्ली (व.सं)। बीआरटी कोरिडोर पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। हाईकोर्ट ने बीआरटी कोरिडोर को खत्म करने की मांग पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। हालांकि इससे पहले दो बार हाईकोर्ट बीआरटी को समय की जरूरत बताते हुए इसे खत्म करने की मांग वाली याचिका खारिज कर चुकी है।

जस्टिस प्रदीप नंदराजोग की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली सरकार को 18 अप्रैल तक जवाब देने को कहा है। हाईकोर्ट ने यह आदेश गैर सरकारी संगठन ने न्याय भूमि के अध्यक्ष सेवानिवृत लेफ्टिनेंट कर्नल बी.बी. शरण की याचिका पर दिया है। उन्होंने बीआरटी बनाने में मास्टर प्लान 2021 की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि मास्टर प्लान के अनुसार बीआरटी सिर्फ 45 मीटर चौड़ी सड़कों पर ही बनाने का प्रावधान है लेकिन अंबेडकर नगर से मूलचंद फ्लाइओवर तक 30 मीटर चौड़ी सड़क पर बीआरटी है।

Printed and distributed by NewspaperDirect
www.newspaperdirect.com US/Can: 1.877.980.4040 Intern.: 800.6364.6364
COPYRIGHT AND PROTECTED BY APPLICABLE LAW